[redacted]

श्री रणवीर-केन्द्रीय-संस्कृत-विद्यापीठम्

काश्मीर शैवदर्शन विभाग

76

प्रवेश संख्या - 74 - विषय : शैव दर्शनम् क्रम सं. - 329.

नाम शिव श्राद्ध पद्धति: - - ग्रन्थकार नाम - - - - - - - - - - - - -

45

पत्र सं. - 034 - अक्षर सं. (पंक्तौ) शब्द 8 - पंक्ति सं. (पृष्ठे) - 16 - - -

आकार: 6.75" x 8" - लिपि: शारदा आधार: - कागज़ - - -

वि. विवरणम् - पूर्ण - - - - - -

पर्यवेक्षक : - - - - - - - - - - - - दिनांक: 17-9-2000

(170)

45

M.K. Marwaha

3

𑆯𑆴𑆮𑆯𑇀𑆫𑆳𑆢𑇀𑆣𑆥𑆢𑇀𑆣𑆴𑆠𑆴𑆂

[illegible]

[illegible]

[illegible]यै नमः [illegible] [illegible]यै नमः [illegible]
नमः [illegible]यै नमः [illegible]यै नमः [illegible]
मः [illegible]यै नमः [illegible]यै नमः [illegible]
नमः [illegible] नमः [illegible] [illegible]नमः
[illegible]यै नमः [illegible]य नमः [illegible] नमः [illegible]
[illegible]लाय नमः [illegible]यै नमः [illegible]य न
मः [illegible]य नमः [illegible]
य [illegible] नमः [illegible]
[illegible] नमः [illegible]
[illegible]यै नमः [illegible]
[illegible]य नमः
[illegible]
[illegible]
[illegible]य नमः [illegible]
[illegible]
[illegible] नमः [illegible]यै नमः [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ह्रीं [illegible] नमः ह्रीं [illegible] नमः [illegible] नमः
[illegible] नमः [illegible] नमः [illegible]
नालाय नमः [illegible] नमः ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] नमः
[illegible] नमः ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
नमः [illegible] नमः [illegible] नमः [illegible]
[illegible]

ड्भ। कालाग्निरुद्रोपदं भवाप्यादि त्रिभुवनभा म
चैभा ठत्रुनान्तं प्रपौत्रं मित्रपाक्रुतभा क्रिंतुगं मेक
दम त्रंभैश्रुंपक्कुमाम्मेठितभा तुर्ग्लैविश्वश्रुमत्रुश्रुंभुलं
गत्रुवाभभभा त्रुमित्रुभीद्धगं प्रायेत्रु त्रिभत्रिठलखु
मभा ॥ श्रुद्धे मित्रश्रुत्रुपाय सत्रुतादत्ता ठणादत्तुमि
दायमात्रुमताय ठदायमित्रायेत्रु पिभपुग्धा लामि
तत्रुः प्रपितेमः मीपितमः सपमहोत सत्रुतादत्ता
पितृ मित्रणेत्र्यमुगाय पितामहाय मित्रणेत्राय म
मा मित्राय प्रपितामहाय मित्रणेत्राय मित्राय मात्रु
मित्रणेत्रायैरल पिकाहे पितामहे मित्रणेत्रायैरल
प्रमपिते प्रपितामहे मित्रणेत्राये मवकुतमहे
पितृ दमात्रुभंवन्न गिके मित्रमात्रु प्रपः श्रुणानमः
मीपः श्रुणानमः मोहेन त्रितत्रहमाय विप्रोतव
श्रितुन्नपयीमक्रितत्रः मित्रः प्रमीमयात्रु। त्र सपम
हेत मग्रिमात्रुतेहे विप्रुहे रहिपहे पीमक्रितत्रः
५ मैमः प्रमीमयात्रु। त्र सत्रुतादत्ता पितुः दभातुः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

यनमः श्रीपू० त्रिभवप्रकाशमूर्तये नमः श्रीपू० त्रि
मात्रमात्रस्वरूपाय नमः श्रीपू० त्रिलिङ्गमूर्तये नमः श्री
पूजयामि नमः ॥ ततः त्रिकमण्डलपूजा ॥ पूर्वाग्नीशान
त्रैमिङ्गात्मकं पूजयेत् । त्रिकोणकलशमध्ये मालाद
भूभूमितन शुक्लमगन्धेश्वरद्रूमेशभूमद्र ॥ दश ।
त्रिलिङ्गचक्रमूर्तये नमः श्रीपू० पूर्व त्रिं शुद्धाय नमः
श्रीपू० दक्षिणे त्रिं सौम्यभावाय नमः श्रीपू० नैऋ-
त्ये ध्रीं शुद्धाय नमः श्रीपू० वै त्रिं वैकालाय नमः
श्रीपू० पश्चिम त्रिं वैराग्याय नमः श्रीपू० वायव्य
त्रिं मध्यमाय नमः श्रीपू० उत्तर त्रिं शुक्लाय न
मः श्रीपादुकां पूजयामि नमः पूजयामि नमः ॥ मा-
त्रिगमण्डलाङ्कस्थाली भूमि भूमिमग्नोरुङ्गाविणी
मूलिकाधारीम वासीमारुभूमाताः पूर्व त्रिगम
येनमः श्रीपा० पू० दक्ष त्रिमूर्तये नमः श्रीपा०
पू० पश्चि त्रिकूलास्त्रे नमः श्रीपा० पू० नैऋत
7 त्रिमूर्तये नमः श्रीपा० पू० पश्चिम त्रिमूलाधारायै नमः

श्रीपा० पू० वायवे ओं भुवनेश्वर्यै नमः श्रीपा०
पू० कुबेर ओं निधिन्यै नमः श्रीपा० पू० ईशाने ओं
पद्मवक्त्रं नयनत्रयं मकुटपद्मकांसुकभा। शूलम
ण्डलकमण्डलुधरं भवानीं सिद्धिरूपां। ओं सिद्ध्यै नमः श्री
पा० पू० ऊर्ध्वे ओं लिङ्गपात्रे नमः श्रीपा० पू०
अधः ओं वाणीश्वर्यै नमः श्रीपा० पू० मध्यः ओं
मिश्राख्यै नमः श्रीपा० पू० इति मातरः ॥ ओं
नमो भगवते गणपतये वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा
ध्यानं मूलाधारकमलाकारं वन्दे। ओं नन्दिने नमः
श्रीपा० पू० ओं अनन्ताय कपालिने कल
मषापहिलीभा। वरदं शूलं डमरुकं मकरवर्णिलीभ
ओं गणेशाय नमः श्रीपा० पू० ओं महाकालाय नमः श्री
पा० पू० ओं भृङ्गिणे नमः श्रीपा० पू० इति श्री
वामदेवादिवरमायायाभा। शूलमेक नमःमायायाभा।
ओं महाकालं मयूराङ्कं शिव शुभ्रं कपालकभा। शूल
पद्मधरं महाकालं शूलं शिवरूपभा। ओं महाका

लायनमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ पालिन्द्रायेनकलसंवा
ध्यंत्रीयमानरूपमा। ॐ [illegible] कर्पुरकं [illegible]
ॐ यमनायेनमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ कपालभृत्ययन
मः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ मन्दिराययनमः श्रीपादु॰ पू॰
ॐ भूमञ्जयनमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ [illegible]
मयनमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ [illegible]
[illegible]। [illegible]
[illegible]। ॐ [illegible]नमः श्रीपादु॰ पू॰
ॐ [illegible]
[illegible]। ॐ [illegible]
यनमः श्रीपादु॰ पू॰ [illegible] ॐ [illegible]नमः श्रीपा॰
पू॰ [illegible] ॐ [illegible]नमः श्रीपादु॰ पू॰
[illegible] ॥ ३३ ॥ [illegible]यामः ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
3 [illegible]

[illegible] इति [illegible]। [illegible]
[illegible] नमः [illegible] नमः श्रीपा.
पू. ॐ [illegible] नमः श्रीपादु. पू. ॐ [illegible]
[illegible] नमः श्रीपादु. पू. इति [illegible]
[illegible] इति [illegible]
[illegible]। [illegible]
[illegible]॥ ॐ अस्य [illegible]
[illegible]। ॐ अस्य श्रीगणपति
मन्त्रस्य [illegible] ऋषिः [illegible] छन्दः श्रीगणपतिर्देवता गं बी
जं ह्रीं शक्तिः [illegible] कीलकं श्रीगणपतिप्रीत्यर्थे
[illegible] विनियोगः ॐ [illegible]
[illegible] नमः श्रीपादु. पू. ॐ [illegible] नमः
श्रीपादु. पू. ॐ [illegible] नमः श्रीपादु. पू.
[illegible] ॐ [illegible] गणपतये नमः ॐ [illegible] गणपति[illegible]
[illegible] नमः श्रीपादु. पू. ॐ णां हृदयाय नमः श्रीपादु.
पू. ॐ णीं शिरसे [illegible] नमः श्रीपादु. पू. ॐ णुं शिखा

यैवधसे नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं ऐं कमलाय ह्रूं नमः श्री
पा॰ पू॰ ओं ऐं नेत्रत्रयाय वौषट् नमः श्रीपा॰ पू॰
ओं नः अस्त्राय फट् नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं गां लक्ष्मीशा
य नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं गां गणेशाय नमः श्रीपा॰
पू॰ ओं गां क्षेत्रपालाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं गां
भैरवाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं विघ्नराजाय नमः श्री
पा॰ पू॰ ओं गां सिद्धराजाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं
गां गणराजाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं गां [illegible]
नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं ह्रीं क्लीं [illegible]
लाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
१ [illegible] ॥

ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ग्लूं गं गणपतये वरवरद सर्वजनं मे व
शमानय स्वाहा ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये
हृदयाय वषट् सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा
नमः गां गीं गूं गैं गौं गः ॐ सिद्ध्यै नमः ॐ ऋद्ध्यै न
मः श्रीपा॰ पू॰ ॐ बुद्धिलक्ष्म्यै नमः श्रीपा॰ पू॰
ॐ लक्ष्म्यै नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ कीर्त्यै नमः श्रीपा॰
पू॰ ॐ कामधेनु सिद्ध्यै नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ तुष्ट्यै
नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ सरस्वत्यै नमः श्रीपा॰ पू॰
ॐ पुष्ट्यै नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ विघ्ननाशिन्यै नमः
श्रीपा॰ पू॰ ॐ गणाधिपतये नमः श्रीपा॰ पू॰
ॐ गणनायकाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ गणक्रीडा
य नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ वक्रतुण्डाय नमः श्रीपा॰
पू॰ ॐ एकदन्ताय नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ महोदरा
य नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ गजवक्त्राय नमः श्रीपा॰ पू॰
ॐ लम्बोदराय नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ विकटाननाय
नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ विघ्नराजाय नमः श्रीपा॰ पू॰

ॐ ह्रूं उ मङ्गलेश्वराय नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ [illegible]
य नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॥ [illegible] ॐ [illegible]
[illegible] : [illegible] : [illegible] :
पातु [illegible] : ॐ [illegible] पाय [illegible]
[illegible] : [illegible] | उ [illegible]
[illegible] : [illegible] : [illegible]
[illegible] विनियोगः ॐ [illegible]
[illegible] : [illegible]
शिरः पातु [illegible] : [illegible] ॐ [illegible] : [illegible] : [illegible]
[illegible] : [illegible] : पातु [illegible] :
ॐ ह्रूं [illegible] नाय नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ [illegible]
नाय नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ [illegible] यै नमः श्रीपा॰
पू॰ [illegible] यै नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ ह्रूं ह्रीं नमः [illegible]
[illegible] य नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ [illegible] य नमः श्रीपादु॰
पू॰ ॐ [illegible] नमः श्रीपादु॰ पू॰ ॐ…
०० [illegible] : [illegible] | नमः श्रीपादु॰ पू॰

𑇄𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁𑆑𑆮𑆖𑆳𑆪𑆲𑆶𑆁𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆿𑆁𑆤𑆼𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆪𑆳𑆪𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀 𑇅
𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆂 𑆃𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆳𑆪𑆦𑆛𑇀 𑇅 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·
𑇄𑆩𑆸𑆠𑇀𑆪𑆶𑆚𑇀𑆘𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆫𑆁𑆑𑇀𑆰𑆪𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·
𑆥𑆷· 𑇄𑆘𑆁𑆜𑆳𑆱𑇀𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆝𑆁𑆜𑆑𑇀𑆑𑆶𑆫𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂
𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆇𑆁𑆇𑆩𑆳𑆪𑆽𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆥𑆷𑆁𑆥𑆶𑆰𑇀𑆜𑆴
𑆪𑆽𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆃𑆁𑆃𑆰𑇀𑆛𑆶𑆪𑆽𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·
𑇄𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆑𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆮 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆤𑆼𑆠𑇀𑆫𑆁𑆲𑆴
𑆑𑆸𑆠𑆁𑆯𑇀𑆫𑆵𑆣𑆫𑆑𑆜𑆪𑆑𑆳𑆱𑇀𑆮𑆶𑆰𑇀𑆩 𑇅 𑆥𑆚𑇀𑆖𑆩𑆁𑆠𑆳𑆫𑆑𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆥𑇀𑆫𑆲𑆸𑆠
𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆁𑆑𑆶𑆫𑇀𑆪𑆳𑆠𑇀 𑆃𑆱𑇀𑆪 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆮𑆬𑇀𑆬𑆨𑆩𑆤𑇀𑆠𑇀𑆫𑆱𑇀𑆪 𑆑𑆩𑆬 𑆫𑇀𑆰𑆴𑆂
𑆓𑆳𑆪𑆠𑇀𑆫𑆵𑆗𑆤𑇀𑆢𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆮𑆬𑇀𑆬𑆨 𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆶𑆫𑇀𑆢𑆼𑆮𑆠𑆳 𑆃𑆁𑆧𑆵𑆘𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁
𑆯𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂 𑆤𑆩𑆂 𑆑𑆵𑆬𑆑𑆁 𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩𑆮𑆬𑇀𑆬𑆨𑆥𑇀𑆫𑆵𑆠𑇀𑆪𑆫𑇀𑆡𑆼 𑆘𑆥𑆼 𑆮𑆴𑆤𑆴
𑆪𑆾𑆓𑆂 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆳𑆁𑆮𑆴𑆰𑇀𑆟𑆮𑆼𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆧𑇀𑆫𑆲𑇀𑆩
𑆪𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁𑆯𑆴𑆫𑆱𑆼𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵
𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆽𑆁𑆯𑆴𑆒𑆳𑆪𑆽𑆮𑆰𑆛𑇀 𑇅 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·
𑇄𑆲𑇀𑆫𑆽𑆁𑆑𑆮𑆖𑆳𑆪𑆲𑆶𑆁𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆿𑆁𑆤𑆼𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆪𑆳𑆪𑆮𑆿
𑆰𑆛𑇀 𑇅 𑆤𑆩𑆂 𑇄𑆲𑇀𑆫𑆂 𑆃𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆳𑆪𑆦𑆛𑇀 𑇅 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄𑆃𑆁𑆱

ङ्गिने नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ ह्रीं पिङ्गलायै नमः श्रीपा ३

पू॰ ॐ ह्रीं मङ्गिने नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ पङ्कजनयनायै नमः

श्रीपा ३ पू॰ ॐ लक्ष्मायै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ [illegible]ष्ठै न

मः श्रीपा ३ पू॰ ॐ सीधुयै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ [illegible]ञ्जायै न

मः श्रीपा ३ पू॰ ॐ लयायै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ विभू

तिकायै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ भवभिन्नशून्यायै नमः श्रीपा॰

पू॰ ॐ मायायै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ सुराघूर्णायै नमः श्री

पा ३ पू॰ ॐ पापमलापायै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ विमला

यै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ विकृतायै नमः श्रीपा ३ पू॰

ॐ कृत्यै नमः श्रीपा ३ पू॰ ॐ मद्यभूताखिलप्रियायै नमः श्रीपा॰

पू॰ पञ्चमे [illegible] तर्पयामि [illegible] ॐ कुलिकायै

[illegible] नमः [illegible]

[illegible] ॐ कुलिकाय [illegible] नमः [illegible]

[illegible]

[illegible]

०० [illegible] नमः [illegible]

[illegible] 𑆥𑇀𑆫𑆳𑆟𑆳𑆤𑇀𑆮𑆴𑆤𑆴𑆪𑆾𑆓𑆂 𑇄 𑆑𑇀𑆬𑆳𑆁 𑆑𑆁 [illegible]𑆨𑆳𑆓

𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑆳𑆁 𑆲𑆸𑆢𑆪𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·

𑆑𑆵𑆁 𑆯𑆴𑆫𑆱𑆼 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑆷𑆁 𑆯𑆴𑆒𑆳𑆪𑆽 𑆮𑆰𑆛𑇀

𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑆽𑆁 𑆑𑆮𑆖𑆳𑆪 𑆲𑆶𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·

𑇄 𑆑𑆿𑆁 𑆤𑆼𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆪𑆳𑆪 𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑆂 𑆃𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆳𑆪 𑆦𑆛𑇀

𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆳𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆽𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆿𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆂 [illegible]

[illegible] 𑆨𑆳𑆓𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆳𑆁 𑆲𑆸𑆢

𑆪𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆯𑆴𑆫𑆱𑆼 𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵

𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁 𑆯𑆴𑆒𑆳𑆪𑆽 𑆮𑆰𑆛𑇀 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·

𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆽𑆁 𑆑𑆮𑆖𑆳𑆪 𑆲𑆶𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆿𑆁 𑆤𑆼𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫𑆪𑆳𑆪 𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀

𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆂 𑆃𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆳𑆪 𑆦𑆛𑇀 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·

𑆥𑆷· 𑇄 [illegible]

𑆮𑆴𑆣𑆶𑆩𑆘𑇀𑆘𑆳 𑇅 𑆤𑆳𑆟𑆼𑆤𑇀𑆢𑆶𑆩𑆶𑆢𑇀𑆫𑆳𑆮𑆴𑆰𑇀𑆪 𑆨𑆢𑇀𑆫𑆨𑆳𑆕𑇀𑆑𑆁 𑆢𑇀𑆫𑆶𑆩𑆴 𑆍𑆕𑇀𑆑𑆳𑆫𑆵𑆩𑆷𑆫𑇀𑆠𑇀𑆠𑆁
𑆯𑇀𑆫𑆩𑆳𑆠𑇀𑆩𑆳 𑇆 𑇄 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆩𑆳𑆪 𑆩𑆘𑆴𑆠𑇀𑆫𑆳𑆠𑇀𑆫 𑆢𑆑𑇀𑆰𑆶𑆥𑇀𑆪 𑆩𑆥𑇀𑆫𑆳𑆓
𑆑𑆤𑆳𑆪 𑆣𑆑𑇀𑆰𑆶𑆙𑆳𑆪 𑆪𑆼𑆓𑇀𑆤𑆵𑆩𑆟𑆴𑆠𑇀𑆫𑆳𑆪 𑆩𑆑𑆨𑆳𑆠𑇀𑆫𑆼 𑆩𑆶𑆓𑆳𑆪 𑆩𑆤𑆳
𑆣𑆴𑆥𑆠𑇀𑆪𑆪𑆼 𑆤𑆩𑆾 𑆤𑆩𑆂 𑆱𑆶𑆩𑆶𑆒𑆓𑆳𑆑 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆌𑆁
𑆣𑇀𑆪𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇄 𑆮𑆴𑆩𑆳𑆣𑇀𑆪𑆳𑆪𑆽 𑆤𑆩𑆂 𑇄 𑆩𑆪𑆷𑆫𑆮𑆳𑆲𑆤𑆳𑆪 𑆤𑆩𑆂
𑆱𑆶𑆩𑆤𑆂 𑆘𑇀𑆚𑇀𑆮𑆥𑆑𑇀𑆰𑆴𑆫𑆩𑆬𑆲𑆑𑇀𑆰𑆶𑆨 𑇄 𑆜𑆮𑆑𑇀𑆠𑇀𑆫𑆼𑆫 𑆑𑆂 𑆩𑆮
𑆪𑆠𑇀𑆫𑆼 𑆌𑆁 𑆥𑆳𑆑𑇀𑆰𑆑𑆩𑆠𑇀𑆫 𑆇𑆩𑆮 𑆩𑆠𑇀𑆫𑆴𑆥𑆳𑆤𑆁 𑆩𑆘𑇀𑆮𑆮𑆠𑇀𑆫𑆁 𑆮𑆴𑆔𑇀𑆤𑆩𑆳𑆠𑇀𑆫
𑆪 𑇄 𑆱𑆁 𑆱𑆲𑆱𑇀𑆫𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆳𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆃𑆁 𑆱𑆓𑇀𑆫𑆪𑆼𑆤
𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆩𑆁 𑆮𑆑𑇀𑆠𑆬 𑆩𑆠𑇀𑆫𑆶𑆩𑆼𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·
𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑆶𑆁 𑆘𑆩𑆳𑆜𑆴𑆩𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑆶𑆁 𑆮𑆴𑆔𑇀𑆤𑆫𑆳𑆘
𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑆶𑆁 𑆝𑆑𑆶𑆥𑆳𑆑𑆩𑇀𑆥 𑆜𑆴𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·
𑆥𑆷· 𑇄 𑆃𑆁 𑆤𑆩𑆤𑆩𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆶𑆠𑇀𑆫𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑇀𑆫𑆁 𑆒𑆝𑇀𑆥
𑆜𑆴𑆩𑆤𑆽𑆩𑆶𑆓𑆳𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑇀𑆫𑆶𑆁 𑆜𑆁 𑆓𑆬𑆥𑆮𑆴𑆠𑇀𑆫𑆳
𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆑𑆁 𑆤𑆑𑇀𑆰𑆑𑆼𑆠𑆶𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷·
𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆯𑆕𑇀𑆒𑆥𑆢𑇀𑆩𑆮𑆳𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑇄 𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁 𑆑𑆶𑆁 𑆱𑆤𑆠𑇀𑆫
𑇐𑇑 𑆤𑆩𑆶𑆲𑆁 𑆤𑆩𑆂 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳· 𑆥𑆷· 𑆱𑆶𑆓𑇀𑆫𑆵𑆪𑆩𑆴𑆥𑆳𑆡𑆼𑆁 𑇄 𑆇𑆑𑇀𑆫𑆶𑆩𑆴

उग्रमत्तं महोत्कटं गजेन्द्रकमलं मुद्रिभिर्विभाति । यत्र
मत्रिशस्य ... प्रभुतं ... भवानीभा ॥
ॐ भुवनाये विश्वरूपे ... पीमन्दि ... भवानीश्रीमोस्य ... ३
अस्य श्रीभुवनेश्वरीमन्त्रस्य शिवऋषिः अनुष्टुप्छन्दः श्री
भुवनेश्वरी देवता श्रीं बीजं ह्रीं शक्तिः क्लीं कीलकं मम
जपे विनियोगः ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ... नमः श्रीपा॰
पू॰ ॐ ॐ हृदयाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ श्रीं शिरसे
स्वाहा नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रीं शिखायै वषट् नमः श्री
पा॰ पू॰ ॐ क्लीं कवचाय हुं नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ श्रां
नेत्रेभ्यो वौषट् नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रः अस्त्राय फट्
नमः श्रीपा॰ पू॰ अथ ध्यानं ... शिवरूप
... ॐ ... पवनमारुत ... सीतं ...
नः ... कुल ... मुखं । ... कलाधर ... शिरसि
... शिव ... शिवस्य ... । ... शिव
... ध्येय ... शिव ...
... । अस्य श्री ... शिव ... ऋषिः

अनुष्टुप्छन्दः भवानीपतिः शिवो देवता ह्रीं शीं ह्रूं शक्तिः

नमः कीलकं पुरुषार्थे विनियोगः [illegible]

[illegible] शिवः [illegible] ॐ ह्रीं ह्रूं [illegible]

[illegible] शिवाय नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रूं [illegible] नमः

श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रीं शिरसे [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰

ॐ ह्रूं शिखायै [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रैं कवचाय

हुं नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रौं नेत्रत्रयाय [illegible] नमः श्री

पा॰ पू॰ ॐ ह्रः अस्त्राय [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ॥

[illegible] नीलकण्ठम् ॐ

[illegible]

[illegible] श्रीनील

[illegible] ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] श्रीनीलकण्ठं [illegible] ॥ [illegible] श्री

०३ नीलकण्ठ [illegible] ऋषिः अनुष्टुप्छन्दः [illegible]

ॐ ह्रैं कवचाय हुं नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रौं नेत्रत्रयाय वौषट् नमः
श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रः अस्त्राय फट् नमः श्रीपा॰ पू॰ अ
स्य श्रीकुलभैरवमन्त्रस्य नन्दऋषिः गायत्रीछन्दः कुलभैरवो देवता श्रीकु
लभैरवप्रसादसिद्ध्यर्थे पूजने विनियोगः ॐ ह्रीं हृदयाय नमः
श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रूं सं शिरसे स्वाहा नमः श्रीपा॰ पू॰
ॐ ह्रीं सीं शिरोमध्याय नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रूं हूं शि
खायै वषट् नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रैं सैं कवचाय हुं नमः
श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रौं सौं नेत्रेभ्यो वौषट् नमः श्रीपा॰
पू॰ ॐ ह्रः सः अस्त्राय फट् नमः श्रीपा॰ पू॰ अथ ध्या
नं प्रसन्नमूर्तिः पतिनिष्ठः ॐ भैरवाय भैरवरूपाय त्रिनेत्र
त्रिशूलधारिणे सर्वसिद्धिप्रदाय वरदाय सुमुखाय नमः ॥
त्रिनेत्रं भिन्नकिरीटचन्द्रकलाधरं भुजङ्गभूषणं चन्द्रार्धधा
रिणं कपालखड्गहस्तं भैरवं भक्तसिद्धिप्रदम् ॥
ॐ ह्रूं धाय विद्महे भैरवाय धीमहि तन्नो रुद्रः
प्रचोदयात् ॥ अस्य श्रीभैरवमन्त्रस्य ब्रह्मा ऋषिः अ
नुष्टुप् छन्दः श्रीकुलभैरवो देवता मम सर्वसिद्धये ह्रीं बीजं

ह्रीं शक्तिः ॐ कीलकं पितृ... प्रसन्ने विनि

योगः ॐ ह्रां ह्रीं ... नमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रूं

मध्यायनमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रीं अनामिकायै नमः श्रीपा

पू० ॐ ह्रूं कनिष्ठिकायै नमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रैं करत

लकं नमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रौं करतलपृष्ठाभ्यां नमः

श्रीपा० पू० ॐ ह्रः अस्त्राय फट् नमः श्रीपा० पू० ॐ

...

...

...

...

...

...

...

...

...

ॐ हृं मध्यायनमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रीं अनामिकायै नमः

श्रीपा॰ पू॰ ओं ह्रीं सिद्धायै वरदायै नमः श्रीपा॰ पू॰
ओं ह्रीं ज्वालामालिनी [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं नमस
द्धर्मार्थ [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं ह्रीं [illegible]
[illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ॥ प्रथमावरणं श्रीरत्न
[illegible] ओं नमः [illegible] निवास [illegible]
[illegible] ॥ ओं नमः
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ओं अस्य श्रीवि
[illegible] ऋषिः [illegible]
[illegible] ऋषिः [illegible] छन्दः
श्री [illegible] देवता [illegible] बीजं [illegible] शक्तिः काम
[illegible] कीलकं [illegible] विनियोगः ओं
ओं ह्रीं [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं [illegible]
नमः यै नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं ह्रीं [illegible] श्रीपा॰ पू॰
१५ ओं [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ओं [illegible]

यक्षुं नमः श्रीपा० पू० तर्प० ॥ ह्रीं नेत्रत्रयाय वौषट् । नमः श्रीपा

दु० पू० त० ॥ ह्रौः अस्त्राय फट् । नमः श्रीपा० पू० त० ॥ ह्रीं मन्त्र

कोटि समाक्रान्त मन्त्र मौलि लिङ्ग लिङ्गि सत्तम । ध्यात्वेत्य इन्द्रलाभि

कां कामसुन्दरी ह्रीं ह्रीं ह्रीं क्लीं सौः ह्रीं श्रीं ह्रीं संकामसुन्दर्यै

वायनमः श्रीपा० पू० त० ॥ हं ह० । क्लीं सि० । सौः सि० ।

हं कव० ॥ क्लीं नेत्र० ॥ सौः अस्त्राय फट् । नमः श्रीपा० पू० त

र्प० ॥ सर्वसमाक्रिन्त्य सर्वशक्तिमयं कालानलसि

ध्येयाम् सुखाभिषिक्तं सुर्षिकुलं ताडितं पङ्कजं यथा या

स्तुत्य कार्तिकं कामेश्वरं समस्तजगत्प्रभृति

भिजुन्ताम् स्वकीयं स्वकमंत्र ताडनं दण्डीश्री माणिक्या पादुका नमः ॥

ऋषिर्बुध्न ऋषिर्विष्णुकल्पमत्वा सिद्धि सिद्धीमहिषी त्रैलो

कीपुष्पस्याजन् । ॐ अस्य श्रीमाणिक्यमन्त्रस्य श्रीदक्षिणामूर्तिर्ऋषिः

गायत्री छन्दः श्रीमाणिक्यसुन्दरी देवता पुरुषार्थे विनियोगः ॥

ह्रीं श्रीं क्लीं ह्रूं स्रूं सं माणिक्यायै नमः श्रीपा० पू० त० ॥ सं

हृदयाय नमः श्रीपा० पू० त० ॥ सीं शिरसे स्वाहा नमः श्री

पा० पू० त० ॥ सूं शिखायै वषट् । नमः श्रीपा० पू० त० ॥ सैं कवचा

यं फट् नमः श्रीपा० पू० ॐ ऐं नेत्रत्रयाय वौषट् नमः श्री
पा० पू० ॐ अः अस्त्राय फट् नमः श्रीपा० पू० ॥
ॐ नमो नारायणाय लक्ष्मीवासुदेवप्रभ ॐ ऐं त्रैः सन्दृगस
स्तनु सज्जितैः स्वैः शङ्खचक्रैः स्वभावैः लक्ष्मी करस्थ
लिनी कृतानुकल्पैः सम्पद्भिरावृतमखण्डितशुभमाधिकं
तं त्वां नमामि सकलं लक्ष्म्या च स्थितमुत्तमे भिदृशं श्रीवासु
देव विष्णुम्। ॐ वासुदेवाय विद्महे लक्ष्म्यै च धीमहि त
न्नो विष्णुः प्रचोदयात्। ३ अस्य श्रीलक्ष्मीवासुदेवमन्त्रस्य
ऋषिः गायत्री छन्दः लक्ष्मीवासुदेवो देवता क्लीं बीजं ह्रीं
शक्तिः ॐ कीलकम्। पुरुषार्थचतुष्टयसिद्ध्यर्थे विनियो
गः ॐ क्लीं ह्रीं लक्ष्मीवासुदेवाय नमः ॐ श्रीं कमलहस्तायै
नमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रां विमलाङ्गाय स्वाहा हृदयाय
नमः श्रीपा० पू० ॐ ऐं वेदमूर्तये लक्ष्म्यै ह्रीं शिरसे स्वाहा
नमः श्रीपा० पू० ॐ क्लीं मन्मथमथनाय शिखायै वषट् नमः
श्रीपा० पू० ॐ ह्रैं अनन्तरूपाय कवचाय हुं नमः
१० श्रीपा० पू० ॐ ह्रौं सर्वपापविनाशाय नेत्रत्रयाय वौषट् नमः

ॐ

ॐ श्रीं सिद्धाय नमः । उड्डीं(?) ॐ मङ्गलनाथाय नमः । कुबेरं(?) ...

...नाथाय नमः । वैन्नं(?) ॐ पद्मनाभाय नमः । वायवं ॐ ...

य नमः । रामनं(?) ॐ विश्वरूपाय नमः । कुर्बुं(?) ॐ ...

य नमः । ... ॐ लोकनाथाय नमः । मेरुं ॐ ...य नमः ।

ॐ ...य नमः ॥ ...

[illegible] ... ।

[illegible]

...॥ अथ मन्त्रराज... ...

...यात् । ॐ अस्य श्रीमन्त्रराजमन्त्रस्य शङ्कर ऋषिः पङ्क्तिश्छ-

न्दः मन्त्रराज(?) देवता ह्रीं बीजं श्रीं शक्तिः क्लीं कीलकं

मन्त्रराज(?) ... श्रीदेवता प्रसाद(?) विनियोगः । ॐ श्रीं ह्रीं

मन्त्रराज(?) ... नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ हृदयाय नमः

श्रीपा॰ पू॰ ॐ श्रीं शिरसे स्वाहा नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ

ॐ ह्रीं शिखायै वषट् नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ मन्त्रराज(?)

कवचाय हुं नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ... नेत्रत्रयाय वौषट्

०१ नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ नमः अस्त्राय फट् नमः श्रीपा॰

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

पा° पू° । ॐ [illegible] नमः श्रीपा° पू° । ॐ [illegible]
[illegible] नमः श्रीपा° पू° । ॐ [illegible]
[illegible] श्रीगुरवे नमः [illegible]
[illegible] श्रीगुरवे
नमः [illegible]
[illegible] श्रीगुरवे नमः [illegible]
[illegible] । ॐ [illegible] नमः श्रीपा°
पू° । ॐ [illegible] नमः श्रीपा° पू° । ॐ [illegible]
नमः श्रीपा° पू° ॥ अथ [illegible] श्रीकालीध्यानं ॥
ॐ [illegible] करालवदनां [illegible] कालिकाम् । [illegible]
[illegible] नीलमणि [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
०३ [illegible]

ङ्कालेन [illegible] विभूषणान्वितम् । सिद्धविद्या [illegible]
[illegible] मम विद्वितम् । [illegible] दक्षिणकालि
कम् ॥ अस्य श्रीमद्दक्षिणकालीमन्त्रस्य भैरव ऋषिः उष्णिक् छन्दः श्री
दक्षिणकालिका देवता ह्रीं बीजं हूं शक्तिः क्रीं कीलकं पुरुषार्थ
विनियोगः ॥ ॐ कालिकायै [illegible]
[illegible] ध्यायेत् ॥ ॐ क्रीं ह्रीं हूं कालिकायै नमः ॥
ॐ [illegible]
[illegible] दक्षिणकालि [illegible]
[illegible]
[illegible] ह्रीं ॐ
क्रूं क्रूं ह्रीं ॐ दक्षिणकालिके क्रीं ॐ क्रूं क्रूं ह्रीं ॐ स्वाहा श्री
पा० पू० । ॐ क्रां हृदयाय नमः श्रीपा० पू० । ॐ क्रीं
शिरसे स्वाहा नमः श्रीपा० पू० । ॐ क्रूं शिखायै वषट्
नमः श्रीपा० पू० । ॐ क्रैं कवचाय हुं नमः श्रीपा० पू०
ॐ क्रौं नेत्रत्रयाय वौषट् नमः श्रीपा० पू० । ॐ क्रः अस्त्राय
फट् नमः श्रीपा० पू० । महेश्वर दक्षिणकालिका प्रीत्यर्थं

०७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

यनमः श्रीपादु· पू· ऐंक्लुं सिद्धमध्यगा नमः श्रीपादु· पू·
ऐंक्लुं सिद्धान्तेश्वराय नमः श्रीपादु· पू· ऐंह्रीं कर्मायक्लीं न
मः श्रीपादु· पू· ऐंह्रीं नित्यस्ते हौं वं धाय नमः श्रीपादु· पू·
ऐंश्रीं सर्वेश्वराय नमः श्रीपादु· पू· सौः देवताऽऽह्रीं प्र
ऐंक्लुं ह्रीं कामेश्वरी सिंहिनी वं सिंहवाहिनी पतिता भ
गोपवीतभाववन्द्यं कलशमालापाशहस्तं रह्रीं कल
विकमकुलमाविद्याभ्यां यं क्रमसर्वं पति ऽऽ ऐंहुं श्री
यविभूतिकन्यकापयोभक्तिविद्या ह्रीं श्रीभैरवी ऽऽ ऐंश्र
श्रीभवस ह्रीं भवतु श्रुत्वा विधिः नायश्रीं सः श्रीकृ
त्रिगोस्ह्रीं सिद्धये ह्रीं श्रीं ॐ सः शक्तिः क्लीं कीलकं श्रीं
ह्रीं प्रसन्नो विनियोगः ऐंह्रीं श्रीं ऽऽ ह्रीं कवचे श्रीं च
ऐंह्रीं श्रीं ऽऽ क्लीं सः कवची ऽऽ ह्रीं श्रीं ह्रीं श्रीं च ऐंहस्वाय न
मः श्रीपादु· पू· ऐंह्रीं सिद्धमध्यगा नमः श्रीपादु· पू·
ऐंह्रीं सिद्धान्तेश्वराय नमः श्रीपादु· पू· ऐं ऽऽ कर्मायक्लुं
नमः श्रीपादु· पू· ऐंऽऽ ह्रीं कवचे नित्यस्ते हौं वं धाय नमः
१० श्रीपादु· पू· ऐंश्रीं सर्वेश्वराय नमः श्रीपादु· पू·

अस्य श्री [illegible] मिनी [illegible] अस्य श्री [illegible] मिनी मन्त्रस्य [illegible]
ऋषिः गायत्री छन्दः [illegible] शक्तिः
[illegible] मिनी देवता ह्रीं बीजं ॐ शक्तिः क्लीं कीलकं [illegible]
मिनी [illegible] प्रयोगे विनियोगः ह्रां [illegible]
[illegible]
ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः इति न्यासः ॥ अस्य [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] बटुकाय [illegible]
[illegible] बटुकः [illegible] ॥ अस्य श्री बटुकभैरवमन्त्रस्य [illegible]
ऋषिः गायत्री छन्दः श्री बटुकभैरवो देवता ह्रीं बीजं ह्रीं शक्तिः
ॐ कीलकं प्रयोगे विनियोगः ॐ ह्रीं [illegible] बटुकाय नमः
श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रीं [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ
ह्रीं [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रूं [illegible]
नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रैं [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰
ॐ ह्रौं [illegible] नमः श्रीपा॰ पू॰ ॐ ह्रः [illegible]

नमः श्रीपादु॰ पूज॰ [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] ऋषिः [illegible] गणपति [illegible]

[illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] [illegible] [illegible]

[illegible] देवता [illegible] ह्रीं शक्तिः नमः कीलकं [illegible]

[illegible] विनियोगः ॐ ह्रीं नमो गणपतये [illegible] ह्रीं [illegible]

श्रीपादु॰ पूज॰ ॐ ह्रीं नमो गणपति हृदयाय नमः श्रीपादु॰

पूज॰ ॐ [illegible] शिरसे स्वाहा नमः श्रीपादु॰ पूज॰ ॐ

[illegible] शिखायै वषट् नमः श्रीपादु॰ पूज॰ ॐ [illegible]

[illegible] कवचाय हुं नमः श्रीपादु॰ पूज॰ ॐ गणपति [illegible]

[illegible] वौषट् नमः श्रीपादु॰ पूज॰ ॐ ह्रीं [illegible]

१० [illegible] नमः श्रीपादु॰ पूज॰ [illegible] कर्णिकायां [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

स्मर्यं वीरमद्भुतं मपामंशौ इति कां प्रकटां भुवनेशीम् ।
वाङ्मुर्मे पामशौ इति भुवं केचिच्च कंठीकमलामनंतं
बालार्ककोटिप्रतिमां त्रिनेत्रां कमलां भुवनेशीं
तुभ्यं । ॐ भुवनेश्वरी हृदय मन्त्रस्य शक्ति
ऋः शक्तिः प्रणवयन्त्रं । ॐ अस्य श्रीभुवनेश्वरी मन्त्रस्य
मन्त्रस्य शक्तिऋषिः त्रिष्टुप्छन्दः श्रीभुवनेश्वरी दे
ता ह्रीं बीजं स्वाहा शक्तिः ॐ कीलकं प्रसादे विनियो
गः ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं भुवनेश्वर्यै नमः ॐ ह्रां हृदयाय
नमः श्रीपा० पू० ॐ ह्रीं शिरसे स्वाहा नमः श्रीपा
दु० पू० ॐ ह्रूं शिखायै वषट् नमः श्रीपादु० पू०
ॐ ह्रैं कवचाय हुं नमः श्रीपादु० पू० ॐ ह्रौं नेत्रत्र
याय वौषट् नमः श्रीपादु० पू० ॐ ह्रः अस्त्राय फट्
नमः श्रीपादु० पू० अथ ध्यानं कुर्यात् भुवनेश्वर्या
...त्रं श्रीशिवमुखपंकजं ॥ अथ भैरवपूजनम् ।
ॐ कपालिमहाभैरवाय नमः श्रीपादु० पू० ॐ सिद्धि
...नाथभैरवाय नमः श्रीपादु० पू० ॐ ह्रीं ...भैरव

𑆱𑇀𑆪𑆳𑆁𑆮𑆵𑆫𑆳𑆱𑆤𑆩𑆥𑇀𑆪𑆳𑆁𑆩𑆁𑆠𑇀𑆫𑆾𑆠𑆴𑆑𑆳𑆁𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆾𑆠𑇀𑆫𑆁𑆧𑆛𑆶𑆑𑆨𑆽𑆫𑆮𑆱𑇀𑆪
𑆮𑆳𑆢𑇀𑆪𑆽𑆂𑆥𑇀𑆫𑆥𑆤𑇀𑆤𑆩𑆫𑇀𑆠𑆵𑆠𑆴𑆩𑆶𑆲𑆶𑆂𑆑𑆿𑆮𑆑𑆁𑆜𑆵𑆑𑆩𑆬𑆳𑆩𑆤𑆑𑇀𑆰𑆶
𑆮𑆳𑆬𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆿𑆠𑆴𑆥𑆶𑆟𑇀𑆪𑆩𑆁𑆯𑆴𑆮𑆼𑆯𑆁𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆾𑆠𑇀𑆫𑆁𑆧𑆛𑆶𑆑𑆨𑆽𑆫𑆮𑆱𑇀𑆪
𑆠𑆶𑆩𑇅 𑇄𑆧𑆛𑆶𑆑𑆨𑆽𑆫𑆮𑆱𑇀𑆪𑆩𑆲𑆳𑆑𑆳𑆬𑆳𑆪𑆣𑆵𑆩𑆠𑆼
𑆤𑆂𑆯𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳𑇅 𑇄𑆃𑆱𑇀𑆪𑆯𑇀𑆫𑆵𑆧𑆛𑆶𑆑𑆨𑆽𑆫𑆮𑆩𑆁𑆠𑇀𑆫𑆱𑇀𑆪
𑆩𑆲𑆳𑆑𑆳𑆬𑆨𑆽𑆫𑆮𑆊𑆰𑆴𑆂𑆠𑇀𑆫𑆴𑆰𑇀𑆛𑆶𑆥𑇀𑆗𑆤𑇀𑆢𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆧𑆛𑆶𑆑𑆨𑆽𑆫𑆮𑆾𑆢𑆼𑆮
𑆠𑆳𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆧𑆵𑆘𑆁𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳𑆯𑆑𑇀𑆠𑆴𑆂𑇄𑆑𑆵𑆬𑆑𑆁𑆥𑇀𑆫𑆱𑆳𑆢𑆼𑆮𑆴𑆤𑆴𑆪𑆾
𑆓𑆂𑇄𑆲𑇀𑆫𑆳𑆁𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁𑆃𑆁𑆓𑆶𑆰𑇀𑆜𑆳𑆨𑇀𑆪𑆳𑆁𑆤𑆩𑆂𑇄𑆲𑇀𑆫𑆳𑆁𑆲𑆸𑆢𑆪𑆳𑆪
𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·𑇄𑆲𑇀𑆫𑆵𑆁𑆯𑆴𑆫𑆱𑆼𑆱𑇀𑆮𑆳𑆲𑆳𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳
𑆥𑆷·𑆠·𑇄𑆲𑇀𑆫𑆷𑆁𑆯𑆴𑆒𑆳𑆪𑆽𑆮𑆰𑆛𑇀𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·
𑇄𑆲𑇀𑆫𑆽𑆁𑆑𑆮𑆖𑆳𑆪𑆲𑆶𑆁𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·𑇄𑆲𑇀𑆫𑆿𑆁𑆤𑆼𑆠𑇀𑆫𑆠𑇀𑆫
𑆪𑆳𑆪𑆮𑆿𑆰𑆛𑇀𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·𑇄𑆲𑇀𑆫𑆂𑆃𑆱𑇀𑆠𑇀𑆫𑆳𑆪𑆦𑆛𑇀
𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·𑆃𑆢𑇀𑆪𑆳𑆤𑆁𑆥𑆶𑆑𑆳𑆯𑆴𑆩𑆶𑆳𑆮
...𑆁𑆯𑆵𑆯𑆴𑆠𑆶𑆥𑆑𑆲𑆁 𑇆 𑆃𑆱𑇀𑆪𑆿𑆮𑆳𑆥𑆑𑆶𑆥𑆬𑇅
𑇄𑆑𑆥𑆳𑆬𑆱𑆜𑆿𑆮𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·𑇄𑆯𑆴𑆮𑆴
𑆮𑆑𑆤𑆜𑆿𑆮𑆳𑆪𑆤𑆩𑆂𑆯𑇀𑆫𑆵𑆥𑆳·𑆥𑆷·𑆠·𑇄𑆥𑆳𑆯𑆜𑆿

वायनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ सिक्रपालभैरवाय
नमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ भज्मषभैरवायनमः श्रीपा
दु॰ तर्प॰ ॐ उन्मत्तभैरवायनमः श्रीपादु॰ तर्प॰
ॐ संहारभैरवायनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ ह्रीं
विद्यारभैरवायनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ततः कालि
कायाम् । ॐ ह्रीं भक्तभैरवायनमः श्रीपादु॰
तर्प॰ ॐ भवायदेवाय सिद्धगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰
ॐ भवायदेवाय कालगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ
स्मयदेवाय पवनगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ
पशुपतयेदेवाय प्रिगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ
उग्रायदेवाय भमगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ मह
देवाय मह्गुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ भीमायदे
वाययजमानगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ
यदेवायार्कगुरुयेनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ ह्रीं
उद्भवायनमः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ
१३ मः श्रीपादु॰ तर्प॰ ॐ मः मित्रउद्भवायनमः श्रीपा